

## SEC2-C अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार और माध्यम लेखन

इकाई— I	<ol style="list-style-type: none"> <li>१. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप</li> <li>२. अनुवाद : प्रक्रिया के सोपान</li> <li>३. अनुवाद : सहायक सामग्री</li> <li>४. अनुवाद : अनुवाद के गुण</li> </ol>
इकाई— II	<ol style="list-style-type: none"> <li>१. अनुवाद : प्रत्यक्ष व्यवहार</li> <li>२. मराठी वाक्यों का हिंदी अनुवाद</li> <li>३. अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी अनुवाद</li> <li>४. मराठी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद</li> <li>५. अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद</li> </ol>
इकाई— III	<p>माध्यम लेखन — सैद्धांतिक पक्ष</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>१. माध्यम का स्वरूप</li> <li>२. अवधारणा</li> <li>३. महत्व एवं उद्देश्य</li> <li>४. माध्यम एवं विधा परिचय: i)मुद्रित माध्यम,ii)श्रव्य माध्यम iii)दृश्य—श्रव्य माध्यम iv)नव-माध्यम : कंटेंट लेखन,ब्लॉग लेखन ।</li> </ol>
इकाई— IV	<p>माध्यम लेखन — फीचर लेखन</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>१. फीचर की परिभाषा एवं अवधारणा ।</li> <li>२. सामग्री संकलन स्रोत</li> <li>३. फीचर के तत्व— विषय वस्तु, प्रस्तावना, शीर्षक, विवेचन, छायांकन ।</li> <li>४. फीचर लेखन के गुण :i) विश्वसनीयता ii) सरसता एवं सहजता iii) रोचकता एवं संक्षिप्तता iv) प्रासंगिकता v) प्रचलित शब्दावली का प्रयोग ।</li> <li>५.फीचर और अन्य विधा में भेद : समाचार, आलेख ।</li> <li>६.फीचर के विभिन्न प्रकार : समाचार फीचर,घटना परक फीचर,सांस्कृतिक फीचर,चिंतन परक फीचर,साहित्यिक फीचर ,फोटो फीचर ।</li> <li>७.रेडियो फीचर,टेलीविजन फीचर।</li> </ol>